FOR COLLEGE ONLY
1. Maximum Marks:85 (For Regular Students)
Min. Pass Marks:29
2. Maximum Marks:100 (For Private Students)
Min. Pass Marks:34
M.A. M.Sc. MUSIC Exam Dec,2016
First/Third Semester (THIRD SEM.)
Pages (61) to

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2016-17

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक

301– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन (कोई चार) :–

आभोगी कान्हाड़ा, कौसी कान्हाड़ा, बिलासखानी तोड़ी, भूपाल तोड़ी, देसी, गौरख कल्याण।

इकाई – 2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ लय में लिखना। चौताल, रूद्र, पंचम सवारी। (कोई एक)

ब– प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों को विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

नोटेशन पद्धयिों का विकास एवं उसका विस्तृत अध्ययन।

इकाई –4

प्राचीन एवं मध्यकालीन निबद्ध गान का अध्ययन।

इकाई –5

हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त।

FOR COLLEGE ONLY

SS. 09-E / 676.B

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2016-17

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक

302 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई – 1

ध्वनि – अर्थ एवं उत्पत्ति। कंठ स्वर संस्थान की जानकारी।

इकाई – 2

भारतीय वाद्यों का अर्थ, विकास एवं निम्न वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी– मतकोकिला, एकतंत्री, त्रितंत्री, किन्नरी वीणाएं, सितार, पखावज एवं तबला।

इकाई –3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के स्वर, राग एवं गीत प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई –4

गीत रचना के सिद्धान्त एवं दिये गये पदों एवं बोलों को उपर्युक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

लोक संगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य वृंद ।